1	2	3
5.	Gandhi Peace Foundation, New Delhi .	1. Shri R. R. Divakar—Chairman 2. Shri K. S. Radhakrishna—Secretary. 3. Shri D. Ramchandran Potti—Jt. Secy. 4. Shri Ram Lal Parikh—Treasurer.
6.	Society For Development of Rural Sericulture Industry, Tirupati.	1. Shri Radhakrishna—Chairman 2. Bisho D. DE. DD. 3. Shri G. Sivaramamurthy—Secretary. 4. Shri G. L. Kantham—Treasurer.
7.	Association of Voluntary Agencies for Rural Development (AVARD), New Delhi.	1. Shri Radhakrishna—President. 2. Shri Panna Lal Dasgupta—Vice President . 3. Dr. Balbhadra Prasad—Treasurer. 4. Shri A.C. Sen—General Secretary.

भारत में विदेशी धन को आने से रोकने के लिए उठाए गए कदम

1408. श्री केयूर भूषण : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस तरह के विदेशी धन को जो हमारे देश में किसी एक या दूसरे संगठन को दान के रूप में दिया जा रहा हो, आने से रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ;

(ख) क्या इस तरह के संगठनों द्वारा प्राप्त किया गया विदेशी धन हमारे देश के सामाजिक ढांचे की कमियों से लाभ उठाने के लिए प्रभावी तौर पर प्रयोग किया जाता है ; और

(ग) क्या विदेशी अंशदान (नियन्त्रण) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत हमारी सरकार इस तरह के संगठनों से इसके बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अधिकृत नहीं है चाहे इसका उपयोग सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक और सामाजिक कार्यों में से किसी पर भी किया जाये ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) से (ग). व्यक्तियों और संगठनों द्वारा विदेशी अभिदान स्वीकार करना और उसका प्रयोग करना विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम 1976 द्वारा नियमित होता है। अधिनियम की योजना यह है कि कुछ व्यक्ति और संगठनों के लिए विदेशी अभिदान स्वीकार करना निषिद्ध है, कुछ अन्य केवल केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से विदेशी अभिदान स्वीकार कर सकते हैं और अन्य ऐसी संस्थाएं जिनके निश्चित सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक अथवा सामाजिक कार्यक्रम हैं, के लिए यह आवश्यक है कि वे विदेशी अभिदान से प्राप्त हुई राशि ऐसे अभिदान की प्राप्त करने का स्रोत और प्राप्त करने का तरीका तथा ऐसे अभिदान को प्राप्त करने का प्रयोजन और वह तरीका जिसके द्वारा वह अभिदान संगठन द्वारा प्रयोग किया गया हो, के बारे में केन्द्र सरकार को सूचित करें। अभिदान प्राप्त कर्ता संगठनों में यह आशा भी की जाती है कि वे अलग से वार्षिक लेखे और अभिलेख तैयार करें और इनको चार्टर्ड लेखाकार से प्रमाणित करवाने के पश्चात् गृह मंत्रालय को प्रस्तुत करें। केन्द्रीय सरकार विशेष परिस्थितियों में किसी एसोसिएशन का कोई विदेशी अभिदान स्वीकार करने से रोक सकती है।

जहां विवरणियों और लेखों की संवीक्षा से अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन का पता लगे वहां अधिनियम के अधीन उपयुक्त कार्यवाही की जा सकती है।

अधिनियम की कार्यप्रणाली को निरन्तर समीक्षा की जाती है तथा इसको अधिक कारगर बनाने के लिए समय-समय पर उपयुक्त उपाय किए जाते हैं।

Selection of representatives of labour unions to attend 67th Session of I.L.C. at Geneva

1409. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are five prime national labour unions in the country, representing 6.43 million workers;

(b) their names and respective membership;

(c) has Government selected the representatives of labour to attend the 67th Session of the International Labour Conference at Geneva; and

(d) if so, are representatives from all these five unions also selected, if not the criteria adopted for selection?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LABOUR (SHRIMATI RAM DULARI SINHA): (a) and (b). There are more than five central organisations of workers in the country. Their names and respective membership figures are attached.

(c) Yes, Sir.

(d) As no agreement could be arrived at by the central workers' organisations on the issue of workers' representatives for this Conference, the Government decided to appoint workers' delegate and advisers from the largest organisation in terms of Article 3 Paragraph 5 of the ILO Constitution and the observations of the Credentials Committee pertaining to the Indian Workers delegation at the 65th Session of the International Labour Conference.

Statement

Statement of claimed membership figures as on 31-12-1977 of the Central Organisations of Workers on the basis of the records of the Registrars of Trade Unions

Name of the organisation	Claimed membership compiled from RTUs as on 31-12-1977
1. INTUC . . .	23,88,451
2. AITUC . . .	13,07,471
3. HMS	10,74,080
4. BMS	8,59,200
5. CITU . .	8,17,805
6. UTUS (LS) . .	6,51,189
7. N.L.O. . . .	2,02,965
8. N.F.I.T.U. . .	2,24,520
9. UTUC . . .	1,73,571
10. TUCC . . .	33,931
TOTAL : . .	74,66,558

Stepping up of activities by extremists in North-East

1410. SHRI S. M. KRISHNA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the underground extremists in the North-East, particularly in Nagaland, Manipur, Tripura and Mizoram have recently stepped up their activities;

(b) the outcome of the talks held with the MNF leader, Mr. Laldenga, who is camping in the capital and having talks with the Central Government officials for a peaceful solution of the Mizo problem; and

(c) the long-range steps which Government propose to take to check the underground activities by the extremists in the North East?